Read India
An Imprint of Pratham Books

चाचा की शादी

रुक्मिणी बॅनर्जी
संतोष पुजारी

Original Story (English) Going to a Wedding
by Rukmini Banerji
© Pratham Books 2004
Fourth Hindi Edition: 2009

Illustrations: Santosh Pujari
Hindi Translation: Pratham Books Team

ISBN: 81-8263-051-7

Registered Office:
PRATHAM BOOKS
633-634, 4th 'C' Main, 6th 'B' Cross,
OMBR Layout, Banaswadi, Bangalore 560 043
✆ 080-25429726 / 27 / 28

Regional Offices:
Mumbai ✆ 022-65162526,
New Delhi ✆ 011-65684113

Typesetting and Layout by: Trimiti Services

Printed by: Shubhodaya Printers

Published by PRATHAM BOOKS
www.prathambooks.org

The development of this book was sponsored by
Dubai Creek Round Table, Dubai, U.A.E.

Some rights reserved. This book is CC-BY-3.0 licensed.
Full terms of use and attribution available at:
http://www.prathambooks.org/cc

चाचा की शादी

लेखिका

रुक्मिणी बॅनर्जी

चित्रांकन

संतोष पुजारी

हिंदी अनुवाद

प्रथम पुस्तक समूह

मेरे चाचा की शादी है।
शादी गाँव में होगी।
हम सब शादी में जा रहे हैं।
सब लोग ट्रेन से गाँव जायेंगे।

VADODARA

सबसे पहले हम स्टेशन पहुँच गये।
पापा, मम्मी, भैया और मैं।

VADODARA

हमारे साथ दो बड़े और दो छोटे थैले हैं।
और एक लाल रंग की पानी की बोतल।

अभी ट्रेन आयी नहीं है।
बहुत से लोग आ रहे हैं।
सभी ट्रेन का इन्तज़ार कर रहे हैं।
हमारे परिवार के बाकी लोग कहाँ रह गये?

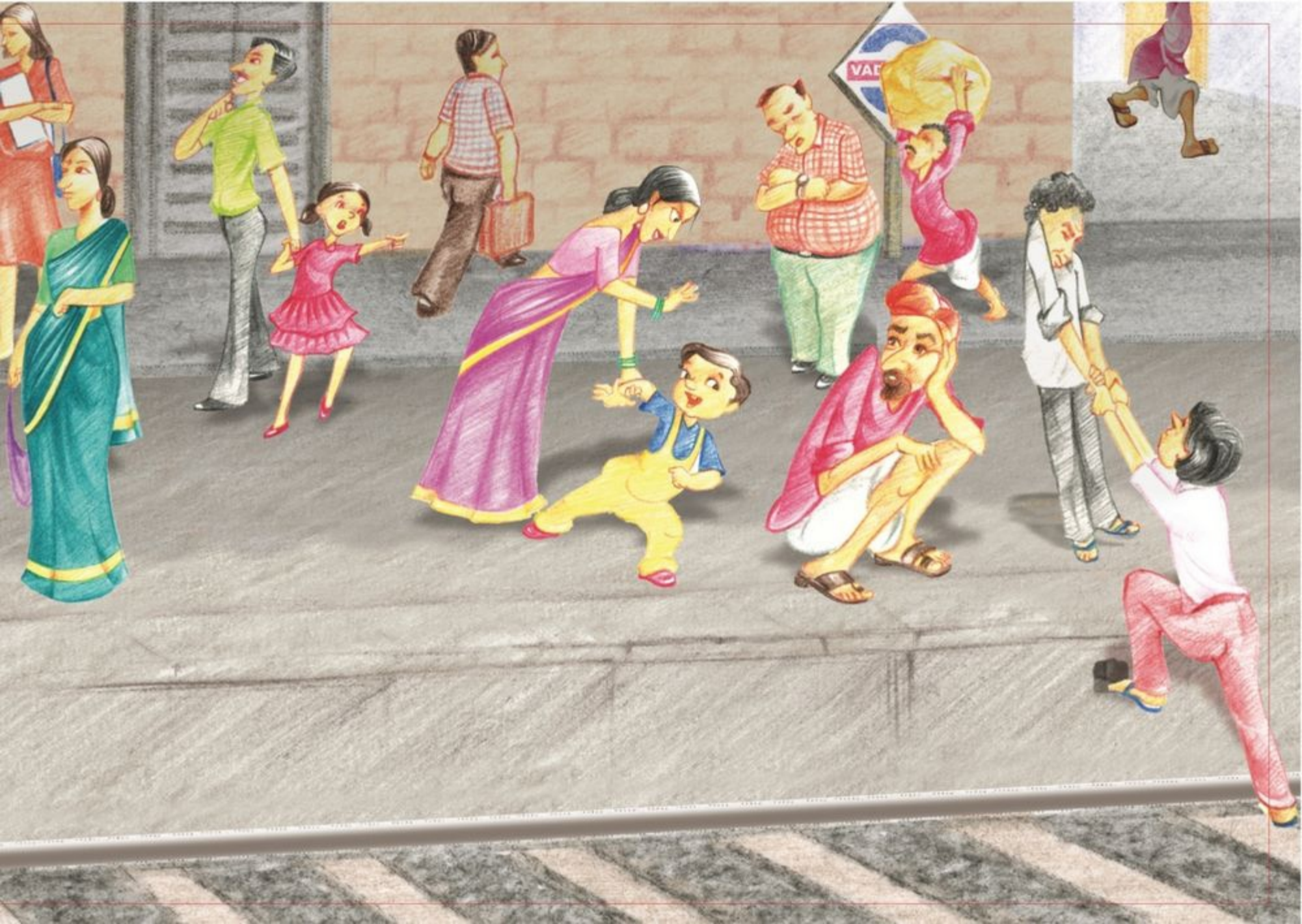

वह रहे मेरे दादाजी।
वह धीरे–धीरे चल रहे हैं।
वे हमे ढूँढ रहे हैं।
उनके पीछे पीछे मेरी दादीजी आ रही हैं।

VADODARA

मुझे प्यास लगी है।
मुझे कुछ ठंडा पीना है।
मेरे भाई को भूख लगी है।
वह चिप्स खाना चाहता है।

VADODARA

माँ कहती हैं, ''ज़रा रुको
अभी तो हम ट्रेन में बैठे भी नहीं।
भूख लगी है, तो मेरे पास मिठाइयाँ हैं।
प्यास लगी है, तो मेरे पास पानी है।
लेकिन जब तक ट्रेन न आये, तब तक इन्तज़ार करो।''

VADODARA

मेरे दादाजी के पास एक छोटा-सा थैला है।
उनके पास एक छड़ी भी है।
दादीजी का बैग बड़ा है।
शायद उसमें खाने की बहुत-सी अच्छी अच्छी चीज़ें हैं।

ADODARA

मेरी मोटी चाची आ गयी हैं।
उनके साथ पतले चाचाजी भी हैं।
उनका सूटकेस कपड़ों से भरा है।
दोनों को अच्छे कपड़ों का बहुत शौक है।

VADODARA

शोर मचने लगा।
ट्रेन आ रही है! ट्रेन आ रही है!
सब ट्रेन में चढ़ने की कोशिश में थे।
पर वह कहाँ है, जिनकी शादी में हम सब जा रहे हैं?

DODARA
VADODARA

हम सब तैयार हैं।
लेकिन चाचाजी कहाँ हैं?
मेरे पापा उन्हें ढूँढने लगते हैं।
मेरे दादाजी भी ढूँढने लगते हैं।
मेरी मम्मी परेशान लग रही हैं।
लेकिन दादीजी मुस्करा रही हैं।

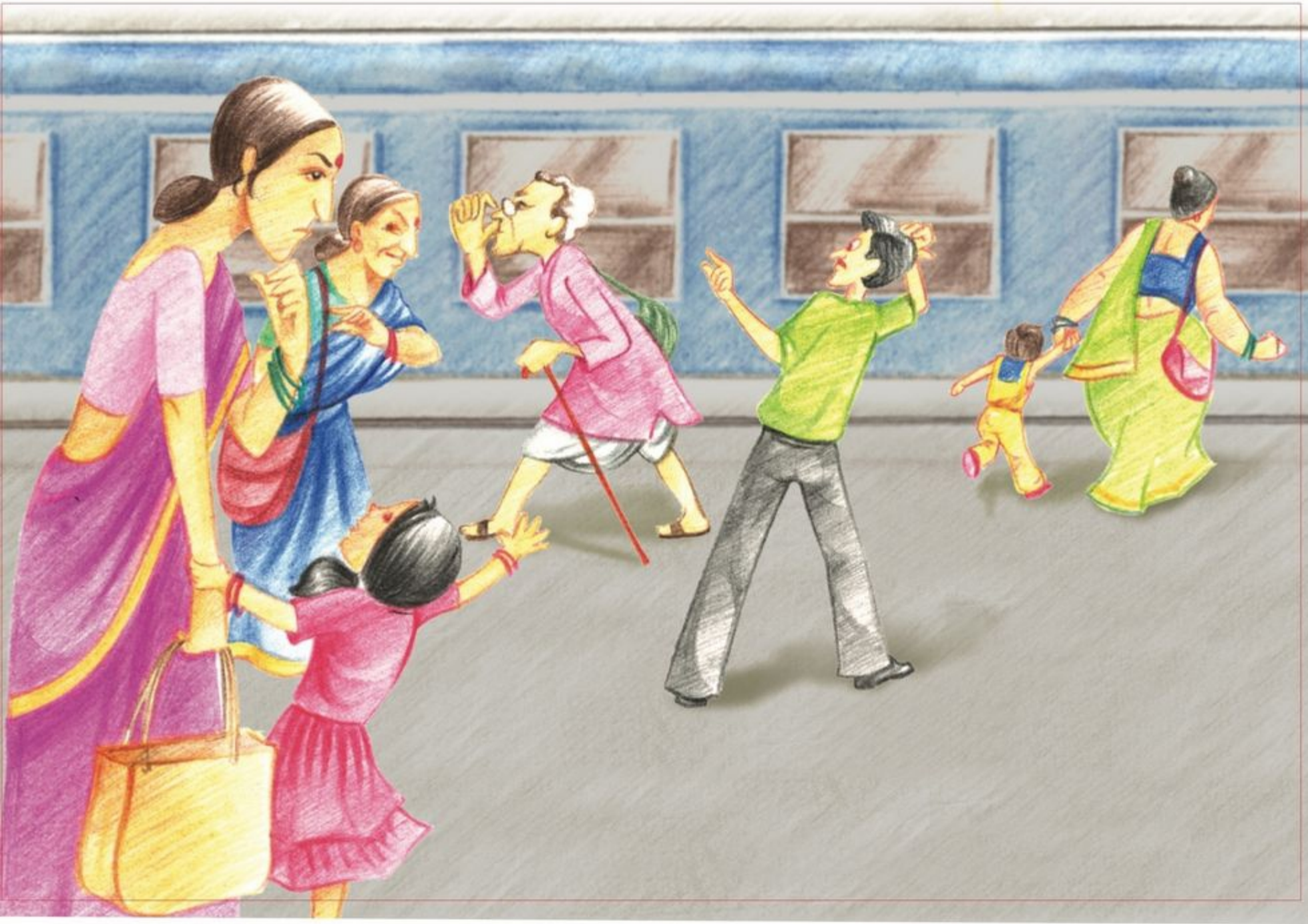

“वह देखो,” दादी कहती हैं।
छोटे चाचा दौड़ते हुए हमारी ओर आ रहे हैं।
वे कहते हैं, “माफ़ करना! माफ़ करना।”
हम सब ट्रेन में बैठ जाते हैं।
ट्रेन स्टेशन से चल पड़ती है।

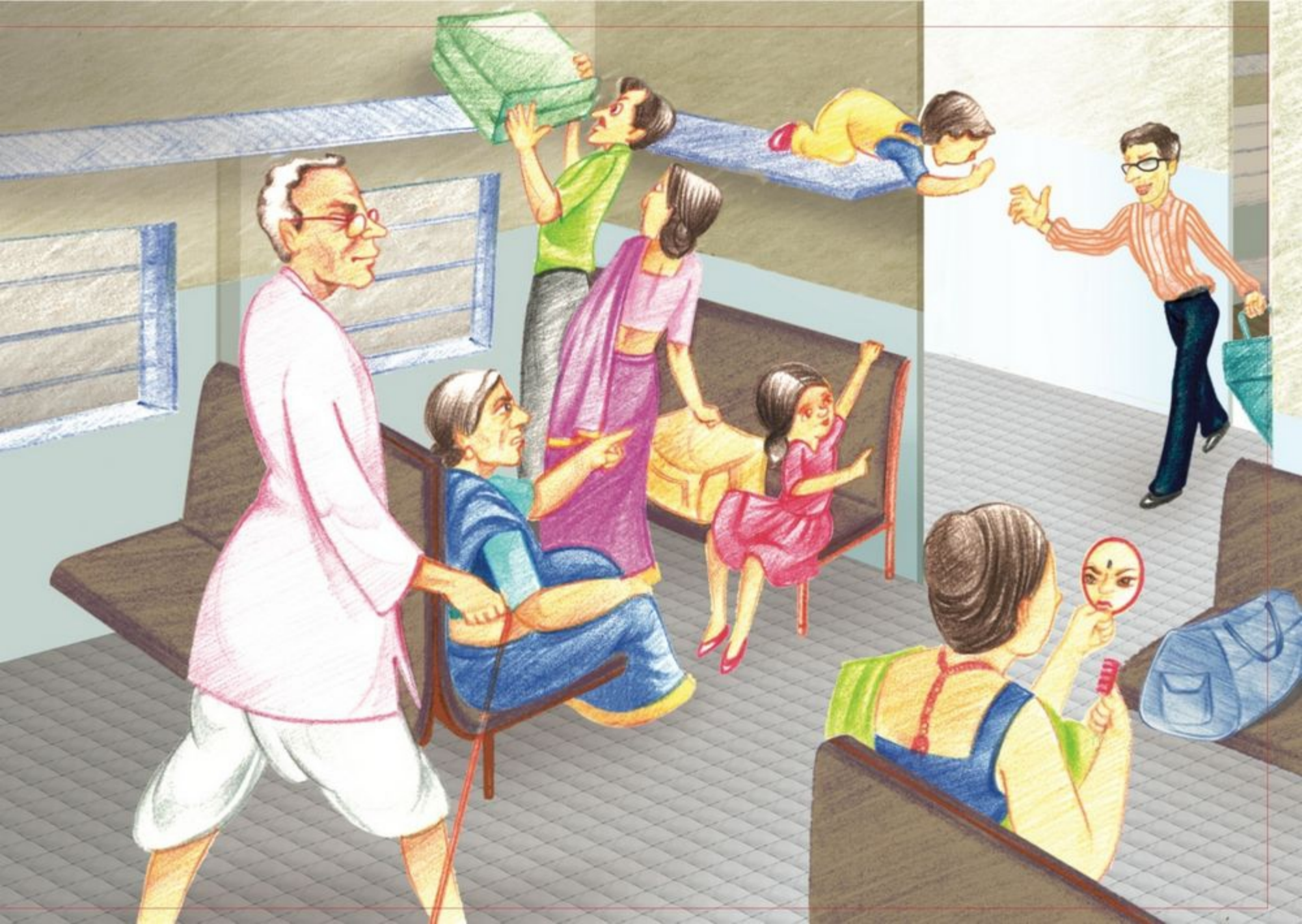

चाचा की शादी के लिये ट्रेन से गाँव जाना था। स्टेशन पर क्या-क्या हुआ इसके बारे में पढ़िये।

इस शृंखला की अन्य किताबें

हम बाज़ार गये	चलो किताबें खरीदने
घर जाना है	हमारी बालवाड़ी

अनेक भारतीय भाषाओं में हमारी रोचक किताबों के बारे में और जानकारी के लिए
www.prathambooks.org पर लॉग ऑन करें।
हमारी किताबें अंग्रेज़ी, हिन्दी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मराठी, गुजराती, बांग्ला, पंजाबी, उर्दू व ओड़िया में भी उपलब्ध हैं।

PRATHAM BOOKS

प्रथम बुक्स भारतीय भाषाओं में वाजिब दामों व अच्छे स्तर की बाल पुस्तकें प्रकाशित करने वाली ग़ैर मुनाफ़ा प्रकाशन संस्था है।

Age Group : 3-6 years
Chacha Ki Shadi (Hindi)
MRP Rs. 15.00

ISBN 818263051-7
9 788182 630512